

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 23 दिसंबर, 2021

राष्ट्रीय गणति दविस

प्रत्येक वर्ष 22 दिसंबर को देश में राष्ट्रीय गणति दविस मनाया जाता है। यह देश के महान गणतिज्ञ श्रीनविस रामानुजन को समर्पित है जिनका जन्म 22 दिसंबर, 1887 को हुआ था। गणति का मानवता के विकास में बड़ा महत्त्व है। इस महत्त्व के प्रति लोगों के बीच जागरुकता पैदा करना राष्ट्रीय गणति दविस का मुख्य उद्देश्य है। इलाहाबाद स्थित सबसे पुरानी वजिज्ञान अकादमी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया प्रत्येक वर्ष गणति के अनुप्रयोगों और रामानुजन पर कार्यशाला का आयोजन करती है। गणति में रामानुजन का सबसे बड़ा योगदान हार्डी-रामानुजन नंबर को माना जाता है। यह सबसे छोटी संख्या है जिसको दो अलग-अलग तरीकों से दो घनों के योग के रूप में लिखा जा सकता है। तब से 1729 को उनके सम्मान में हार्डी-रामानुजन नंबर कहा जाता है।

मुख्यमंत्री वायु स्वास्थ्य सेवा-एयर एम्बुलेंस

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के दुरगम और पछिड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु 'मुख्यमंत्री वायु स्वास्थ्य सेवा-एयर एम्बुलेंस' की शुरुआत की है। इस योजना के तहत पहले चरण में राज्य के चार जिलों- मलकानगिरी, नबरंगपुर, कालाहांडी और नुआ पाडा के लोगों के लिये नशुल्क सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। इसके तहत विशेषज्ञ डाक्टर जिला मुख्यालयों के अस्पतालों से रोगियों तक पहुँचेंगे। राज्य के अन्य जिलों को चरणबद्ध तरीके से कार्यक्रम के तहत शामिल किया जाएगा। इसे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अंतिम व्यक्तित्व उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस सेवा के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को लाभ मिल सकेगा। यह सेवा स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद अंतराल को कम करने हेतु महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। यह प्रमुख रूप से राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की सेवा करेगी।

राष्ट्रीय कसिन दविस

समाज के विकास में कसिनों के योगदान को रेखांकित करने के लिये भारत में प्रतिवर्ष 23 दिसंबर को राष्ट्रीय कसिन दविस का आयोजन किया जाता है। भारत गाँवों का देश है, जहाँ की अधिकांश आबादी अपनी आजीविका के लिये प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में 'राष्ट्रीय कसिन दविस' भारत के आम नागरिकों को कसिनों की समस्याओं को जानने और वार्ता करने का अवसर प्रदान करता है। यह दविस भारत के पाँचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सहि की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। चौधरी चरण सहि का जन्म 23 दिसंबर, 1902 को उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में हुआ था। प्रधानमंत्री के तौर पर चरण सहि का कार्यकाल अल्प अवधि का रहा। वे दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तथा उन्होंने केंद्र सरकार में भी कई मंत्री पदों पर कार्य किया, साथ ही महत्त्वपूर्ण पदों पर रहते हुए कसिनों के कल्याण के लिये कई योजनाएँ लागू कीं, उन्हें उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन अधिनियम का प्रधान वास्तुकार माना जाता है। चरण सहि ने जमींदारी उन्मूलन, भूमि सुधार और कसिनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने से संबंधित कई पुस्तकें भी लिखीं। कसिनों के कल्याण में चौधरी चरण सहि के योगदान को देखते हुए सरकार ने वर्ष 2001 में इस दविस की शुरुआत की थी।

राजधानी दलिली में पहला 'शिक्षक विश्वविद्यालय'

दलिली कैबिनेट ने हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में पहला 'शिक्षक विश्वविद्यालय' स्थापति करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में घोषणा करते हुए दलिली के मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य बेहतर रूप से प्रशिक्षित और योग्य शिक्षकों को तैयार करना है। शिक्षकों की एक नई और उच्च योग्यता प्राप्त पीढ़ी को विकसित करने के लिये यह विश्वविद्यालय 'कक्षा-12' के बाद चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा। इस कार्यक्रम में बीए और बीएड, बीएससी, बीएड, बीकॉम और बीएड जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किये जाएंगे। साथ ही विश्वविद्यालय में नामांकित छात्रों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों से दलिली सरकार के स्कूलों से जोड़ा जाएगा, ताकि वे क्रियात्मक अनुसंधान पर जोर देने के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें।